[This question paper contains 5 printed pages.]

2841 *आपका अनुक्रमांक* _____

B.El.Ed. **J**

Paper O – 3.2

HINDI – II

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 70*

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी *प्रश्न अनिवार्य है।*

1 दिए गए अंश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दें :-

(क) मो सो कौन कुटिल खल कामी।

जेहिं तनु दियौ ताहिं बिसरायौ, ऐसौ नोनहरामी ।।

भरि-भरि उदर विषय को धावौं, जैसे सूकर कामी।

हरिजन छाँड़ि हरी विमुखन की निसिदिन करत गुलामी ।।

(i) यह अंश किस कवि के पद से लिया गया है और उनके काव्य-संसार में संख्या की दृष्टि से इस भाव-बोध के पदों की क्या स्थिति है ? (4)

(ii) 'हरिजन' और 'हरी विमुखन' का क्या अर्थ है ? (2)

P.T.O.

(iii) इन पंक्तियों को भक्ति के किस भेद के अंतर्गत रखेंगे और क्यों ? (2)

अथवा

कहत नटत रीझत खिझत मिलत खिलत लजियात ।

भरे भौन में करत हैं नैनन ही सों बात ।।

(i) ये पंक्तियाँ किस छंद में हैं ? उस छंद के लक्षण को इस पर घटित कर दिखलाएँ । (4)

(ii) इन पंक्तियों के रचनाकार कौन हैं ? उनकी किसी एक विशेषता का उल्लेख करते हुए प्रस्तुत कविता के उदाहरण से उसे स्पष्ट करें । (4)

(ख) कोई न छायादार

पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार,

श्याम तन, भर बँधा यौवन,

नत नयन, प्रिय-कर्म-रत मन,

गुरु हथौड़ा हाथ,

करती बार-बार प्रहार -

सामने तरुमालिका, अट्टालिका, प्राकार ।

(i) यह अंश किस कवि की किस कविता से लिया गया है ? (2)

(ii) इन पंक्तियों में आए सभी अंत्यनुप्रासों का उल्लेख करें। जैसे, छायादार–स्वीकार..) (3)

(iii) क्या इस काव्यांश में यथास्थिति के प्रति भावनात्मक विद्रोह का भी कोई संकेत मिलता है ? (3)

अथवा

स्वयं सुसज्जित करके क्षण में
प्रियतम को प्राणों के पण में
हमीं भेज देती हैं रण में
क्षात्र धर्म के नाते।
सखि, वे मुझसे कहकर जाते।

(i) यह बात किसके द्वारा कही जा रही है और किसके संबंध में ? (2)

(ii) क्या नायिका इसलिए दुखी है कि उसका प्रियतम बिना बताए युद्धक्षेत्र में चला गया है ? समझा कर लिखें। (3)

(iii) 'क्षात्र धर्म' एवं 'प्राणों के पण' का आशय स्पष्ट करें। (3)

2. सूरदास की भक्ति–भावना पर संक्षिप्त निबंध लिखिए।

अथवा

'बिहारी के दोहे गागर में सागर के समान हैं। इस कथन पर विचार कीजिए। (7)

3. मैथिलीशरण गुप्त अथवा अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की काव्य-कला पर संक्षिप्त निबंध लिखिए।

अथवा

महादेवी की रहस्य-भावना पर विचार कीजिए। (7)

4. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

(i) आदिकाल का नाम वीरगाथाकाल रखने के औचित्य-अनौचित्य पर विचार करें।

(ii) भक्तिकाव्य की विभिन्न धाराओं तथा उनके सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कवियों का उल्लेख करें।

(iii) द्विवेदीयुग की कविता की दो महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ बताइए।

(iv) 'भारतेंदुयुग आधुनिक काल का प्रवेशद्वार है।' विचार करें।

(v) हिंदी उपन्यास की विकास-यात्रा में प्रेमचंद का महत्व रेखांकित करें। (5+5+5)

5. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए :-

(i) 'मैला आँचल' के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

(ii) क्या आँचलिक शब्द-प्रयोगों के चलते 'मैला आँचल' की पठनीयता बाधित होती है ? अपने अनुभव के आधार पर बताएँ।

(iii) डॉ० प्रशांत के चरित्र की मुख्य विशेषताएँ संक्षेप में बताइए।

(iv) बालदेव और कालीचरण का परिचय देते हुए उनके चरित्र के मुख्य अंतरों को रेखांकित कीजिए। (5+5)

6. (क) किसी एक का परिचय दीजिए :-

(i) विभाव (ii) संयोग एवं वियोग शृंगार

(iii) करुण रस (5)

(ख) किन्हीं दो का लक्षण-उदाहरण सहित परिचय दीजिए :-

(i) यमक (ii) श्लेष

(iii) अन्योक्ति (iv) रूपक (5)

(ग) किन्हीं दो का लक्षण-उदाहरण सहित परिचय दीजिए :-

(i) दोहा (ii) चौपाई

(iii) द्रुतविलंबित (iv) सवैया (5)